अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 कश्मीर में आतंकी दहशत की बुनियाद...
6 रोहित शर्मा यूएसए के खिलाफ एक तीर से साधेंगे 2 निशाना...
7 विभिन्न श्रेणी के ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिए 24 हजार 420 करोड़ रुपए की सब्सिडी...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-20 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 11 जून से 17 जून 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

मोहन चरण माझी होंगे ओडिशा के नए सीएम, 12 जून शाम पांच बजे होगा शपथ ग्रहण

मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। भुवनेश्वर में पार्टी विधायकों की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से नेता चुना गया। बीजेपी ने ओडिशा में सरकार गठन के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। ओडिशा में बीजेपी पहली बार सरकार बना रही है।

भुवनेश्वर- बीजेपी नेता मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। भुवनेश्वर में पार्टी विधायक दल की बैठक में मोहन चरण माझी को नेता चुनाव गया। वह 12 जून को ओडिशा के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। मोहन चरण माझी के साथ दो विधायक डिप्टी सीएम की शपथ ग्रहण करेंगे। डिप्टी सीएम के लिए केवी सिंह देव और पार्वती पार्वती परीदा का नाम तय किया गया है। ये दोनों नेता भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल थे। बीजेपी ने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था।

पहली बार ओडिशा में बीजेपी सरकार

बीजेपी में ओडिशा में पहली बार सरकार बना रही हैं। ऐसे में मोहन चरण माझी को राज्य में बीजेपी का पहले मख्यमंत्री बनने का गौरव हासिल हुआ है। विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने चौंकाते हुए अकेले 78 सीटें हासिल की हैं। 147 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सदस्यों का है। पिछले 24 सालों से राज्य की सत्ता पर काबिज बीजू जनता दल को 51 सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस को 14 सीटें मिली हैं। मोहन चंद्र माझी की शपथ ग्रहण के लिए बुधवार को पांच बजे का समय निर्धारित किया गया है। मोहन चरण माझी आदिवासी समुदाय से आते हैं। वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल तमाम दावेदारों में सबसे कम उम्र के हैं। माझी की उम्र 53 साल है।

12 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे चंद्रबाबू नायडू, कैबिनेट में शामिल होंगे कुल 25 मंत्री

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। नायडू की कैबिनट में कुल 25 मंत्री बनाए गए हैं, जिसमें से जनसेना से 4 और BJP से 2 मंत्री शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की सरकार बनने जा रही है, बुधवार, 12 जून को चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विजयवाड़ा के A कन्वेंशन सेंटर में चंद्र बाबू नायडू NDA के सभी 164 विधायकों के साथ बैठक की। नायडू की कैबिनेट में कुल 25 मंत्री बनेंगे जिनमें TDP से 19, जनसेना से 4 और BJP से 2 मंत्री होंगे। लोकसभा चुनाव के साथ हुई 175 विधानसभा सीटों की आंध्र प्रदेश विधानसभा में NDA ने एक तरफा जीत दर्ज की। इस चुनाव में TDP के 135 MLA, एक्टर पवन कल्याण की पार्टी जनसेना के 21 MLA और BJP के 11 MLA चुनकर आए।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर सुप्रिया सुले बोलीं, मैं स्वागत करती हूं कि...

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा. उनका इशारा सरकार की तरफ था.

मणिपुर हिंसा पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के बयान का एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां लंबे समय से शांति बहाली की मांग कर रही हैं. राज्य में प्यार की जरूरत है.

उन्होंने कहा, जब हम देखते हैं कि हमारे ही लोग इतना कष्ट झेल रहे हैं, तो यह हम सभी को परेशान करता है. मोहन भागवत ने वही कहा है जिसकी हम मांग कर रहे हैं, इंडिया गठबंधन लंबे समय से मांग कर रहा है कि आइए चर्चा करें. आइए सभी दलों के साथ एक अच्छी समिति बनाएं. आइए मणिपुर को विश्वास दिलाएं. हर चीज का हल बंदूक नहीं है. प्यार की जरूरत है. मोहन भागवत को थैंक्यू कहना चाहिए कि उन्होंने ऐसा कहा है.

मोहन भागवत ने क्या कहा?

मोहन भागवत ने नागपुर में सोमवार (10 जून) को कहा, ''मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है. दस साल पहले मणिपुर में शांति थी. ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है.''

उन्होंने कहा, ''मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा. चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है.''

नीट में धांधली के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, परीक्षा पास करने वाले स्टूडेंट्स का क्या होगा?

नीट यूजी 2024 को लेकर बड़ी खबर है. सुप्रीम कोर्ट ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है. हालांकि अदालत ने माना कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है. इस मामले में शीर्ष अदालत ने नेशनल टेस्टिंग को नोटिस जारी किया है. अदालत ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, हमें पेपर लीक होने के आरोपों पर एनटीए से जवाब चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए इस याचिका को दूसरी याचिकाओं के साथ जोड़ दिया. मामले पर अगली सुनवाई अब आठ जुलाई को होगी.

सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका शिवांगी मिश्रा व नौ अन्य लोगों ने नीट यूजी रिजल्ट जारी होने से पहले एक जून को दायर किया था. इस पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वैकेशन बेंच कर रही थी. जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एहसानुद्दीन अमनुल्लाह इस Vacation Bench का हिस्सा हैं

संपादकीय

पिछले दस वर्षों में जिस तरह सुरक्षाकर्मियों, सैलानियों, श्रद्धालुओं और बाहर से मजदूरी वगैरह करने गए लोगों को निशाना बना कर हत्याएं की गई हैं, उससे यह सवाल निजम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों पर अंकुश लगाना चुनौती बना हुआ है। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद दहशतगर्दी में भारी कमी आई है और आतंकी संगठन कुछ इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर लगातार कुछ-कुछ अंतराल पर जिस तरह आतंकी घात लगा कर हमले कर रहे हैं, उससे इस दावे पर यकीन करना मुश्किल लगता है। लगातार अपनी रणनीति बदलते देखे जा रहे हैं।

कश्मीर में आतंकी दहशत की बुनियाद, कभी कश्मीरी पंडितों तो कभी सशस्त्र बलों पर निशाना, अब सैलानियों को बनाया लक्ष्य

वे कभी सशस्त्र बलों को निशाना बनाते हैं, तो कभी बाहरियों, कश्मीरी पंडितों को लक्ष्य बनाया जाता है। अब वहां जा रहे सैलानियों पर हमले हो रहे हैं।

पिछले महीने पहलगाम में सैलानियों पर हमला किया गया था। अब कटरा जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस को निशाना बनाया गया, जिसके चलते बस खाई में गिर गई। इसमें नौ लोगों की मौत हो गई और इकतालीस से अधिक लोग घायल हैं। पर्यटन कश्मीरी लोगों की आजीविका का बड़ा आधार है। इस तरह के हमलों से पर्यटन पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे हमले नब्बे के दशक में बढ़ गए थे, मगर लंबे समय से सैलानियों को निशाना नहीं बनाया जा रहा था। अब ऐसा दिख रहा है तो इसकी वजहें भी साफ हैं।रंतर गाढ़ा होता गया है कि आखिर यह सिलसिला कब रुकेगा।

पर्यटकों पर हमले के पीछे आतंकवादी संगठनों का मकसद घाटी में बाहर के लोगों की आवाजाही रोकना होता है। बाहरी मजदूरों और कश्मीरी पंडितों को लक्ष्य बना कर हमले करने के पीछे भी उनका मकसद यही है। मगर अब जिस तरह बड़ी संख्या में सैलानियों और श्रद्धालुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उससे जाहिर है कि आतंकी लोगों में भय पैदा करना चाहते हैं। मगर इसे लेकर स्थानीय लोगों में किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दिख रही है, तो हैरानी की बात है, क्योंकि इससे उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा। पिछले दस वर्षों में बेशक पत्थरबाजी और आंदोलन वगैरह की घटनाएं कम हुई हैं, आतंकी हमलों में मरने वालों की संख्या भी घटी है, मगर हकीकत यही है कि दहशतगर्दी किसी भी रूप में कम नहीं हुई है। दस वर्ष पहले और बाद के आंकड़ों की तुलना से साफ पता चलता है कि आतंकी हमले बढ़े हैं। इस दौरान बेशक बड़ी तादाद में आतंकवादी मारे गए हैं, मगर दहशतगर्दों की भर्ती में भी तेजी आई है। उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन बढ़ा है। इसलिए यह स्वाभाविक ही पूछा जा रहा है कि जब सीमा पर चौकसी बढ़ी है, तलाशी अभियान तेज हुए हैं, दहशतगर्दों की वित्तीय मदद पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, तो उन्हें भर्तियां करने और साजो-सामान जुटाने में कामयाबी कैसे मिल जा रही है।

पिछले दस वर्षों में जिस तरह सुरक्षाकर्मियों, सैलानियों, श्रद्धालुओं और बाहर से मजदूरी वगैरह करने गए लोगों को निशाना बना कर हत्याएं की गई हैं, उससे यह सवाल निरंतर गाढ़ा होता गया है कि आखिर यह सिलसिला कब रुकेगा। राष्ट्रीय जांच एजंसी की रपट के मुताबिक ऐसे हमलों में पाकिस्तान के प्रशिक्षत दहशतगर्दों का हाथ होता है, स्थानीय लोग उन्हें सूचनाएं उपलब्ध कराते हैं। अगर सीमा पर चौकसी सख्त की गई है, तो फिर सीमा पार से आतंकियों की घाटी में पैठ कैसे हो पा रही है। अगर खुफिया तंत्र पहले से चौकन्ना हुआ है, तो आतंकी कैसे सेना के काफिले पर हमला कर देते हैं और पहले ही उसकी भनक नहीं लग पाती। घाटी में आतंकवाद से निपटने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

NSG और ITBP अब नहीं करेंगे वीआईपी की सुरक्षा? बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में मोदी सरकार

मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में वीआईपी लोगों की सुरक्षा में बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में है।प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। वहीं, अब केंद्र सरकार वीआईपी सुरक्षा में बड़ा बदलाव करने की प्लानिंग कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, नए मंत्रियों ने अपने-अपने विभाग का काम संभालने के बाद एनएसजी और आईटीबीपी के द्वारा एक दर्जन से ज्यादा वीआईपी की सुरक्षा का काम अर्धसैनिक बलों को सौंपा जाएगा। गृह मंत्रालय अब इस बारे में जल्दी ही समीक्षा करेगा।

कई राजनीतिक हस्तियों, पूर्व मंत्रियों, रिटायर्ड नौकरशाहों और कुछ अन्य लोगों को दी गई सुरक्षा को वापस लिया जा सकता है या फिर उसको कम कर दिया जाएगा या उसे अपग्रेड कर दिया जाएगा। वहीं, गृह मंत्रालय इस दौरान एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडो को वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी से पूरी तरह से हटा सकता है।

इन वीआईपी नेताओं को मिलती है सुरक्षा

वीआईपी लोगों की सुरक्षा में लगे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों को सीआरपीएफ या सीआईएसएफ की वीआईपी सुरक्षा इकाई को ट्रांसफर किया जा सकता है। इसको एसएसजी कहा जाता है। जिन वीआईपी लोगों को एनएसजी के कमांडो सुरक्षा देते हैं उनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह शामिल हैं।

गुलाम नबी आजाद को भी सुरक्षा कवर देते हैं जवान

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (ष्ठक्कक्क) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस (ह्यष्ट) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को भी एनएसजी कमांडो सुरक्षा देते हैं। आईटीबीपी के जवान वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी, एनसी नेता उमर अब्दुल्ला और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती और कुछ अन्य लोगों की सिक्योरिटी देते हैं।

बता दें कि एनएसजी को वीआईपी सुरक्षा के काम से फ्री करने प्लानिंग साल 2012 से ही चल रही है। हालांकि, यह अभी तक संभव नहीं हो पाया है। दरअसल, ह्यस्त ने एक अनुमान लगाया था कि अगर देश में एक ही समय में कई जगहों पर आंतकी हमले होते हैं तो उस दौरान कमांडों को कई दिशाओं में एक साथ भेजा जा सकता है। मालूम हो कि एनएसजी को वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी से हटाए जाने के बाद करीब 450 'ब्लैक कैट' कमांडो को फ्री किए जाने की उम्मीद है।

जो मुझे बनना था वो नहीं बन पाई, मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना...

मैं आपकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई, अब विदा लेने का वक्त, B.Tech छात्रा ने की खुदकुशी

बुरहानपुर जिले की रहने वाली वैष्णवी इंदौर में एलएनसीटी कॉलेज से बीटेक कर रही थी। सोमवार को चचेरे भाई ने उसे फोन किया। जब उसने फोन नहीं उठाया, तो भाई उसके घर पर पहुंचा। दरवाजा खोलने पर वैष्णवी फंदे से लटकी हुई मिली। इसके बाद भाई ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

इंदौर। इंदौर में एमआर 10 पर किराए के मकान में रहने वाली बीटेक सेकंड ईयर की छात्रा वैष्णवी चौहान द्वारा खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। मौके से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें वैष्णवी ने लिखा है कि अब विदा लेने का समय आ गया है। मैं उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। जो मुझे बनना था वो नहीं बन पाई। इसके बाद उसने माता-पिता, भाई और मौसी से माफी मांगी है।

जानकारी के मुताबिक वैष्णवी बुरहानपुर जिले की रहने वाली है और इंदौर में एलएनसीटी कॉलेज से बीटेक कर रही थी। सोमवार को चचेरे भाई ने उसे फोन किया, जब उसने फोन नहीं उठाया तो वह उसके घर पर पहुंचा। दरवाजा खोलने पर वैष्णवी फंदे से लटकी हुई मिली। इसके बाद भाई ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

इंदौर में धड़ मिला तो देहरादून में हाथ-पैर, ट्रेन से भेजा महिला के शव का पार्सल, हैरान करने वाला मामला

मध्य प्रदेश के इंदौर में ट्रेन से मिले एक पार्सल ने जीआरपी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। एक महिला के शव के दो टुकड़े इंदौर में मिले थे जबकि हाथ और पैर देहरादून में मिले हैं। फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। महिला की पहचान नहीं हो पाई है। मामले की जांच जारी है।

इंदौर- मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में दो दिन पहले एक सनसनी मामला सामने आया था। इंदौर रेलवे स्टेशन के यार्ड में खड़ी इंदौर-नागदा पैसेंजर ट्रेन में एक युवती का काटा हुआ शव मिला था। इस कटे हुए शव के मामले में अब नया खुलासा हुआ है। युवती के दोनों हाथ और पैर देहरादून में मिले हैं। शरीर के यह टुकड़े उज्जैनी एक्सप्रेस ट्रेन से बरामद किए गए हैं। हालांकि लाश की अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। कटे हुए हाथ में मीरा बेन और गोपाल भाई लिखा हुआ है। बता दें कि उज्जैनी एक्सप्रेस शनिवार दोपहर इंदौर के लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन से निकली थी और रविवार शाम देहरादून पहुंची थी।

हाथ-पैर देहरादून में मिलने से पुलिस की जांच की दिशा बदल गई है। अब इंदौर जीआरपी और देहरादून जीआरपी मिलकर इस केस में जांच कर रही हैं। दरअसल, रविवार को इंदौर-नागदा पैसेंजर ट्रेन में युवती का कटा हुआ शव मिला था, उसके दोनों हाथ और पैर गायब थे। जिसके बाद पुलिस ने आसपास सर्च अभियान चलाया था लेकिन उसे कुछ बरामद नहीं हुआ था।

तीन अलग-अलग टुकड़ों में रखे गए पार्सल

जीआरपी टीआई संजय शुक्ला के मुताबिक जिन दो ट्रेनों में महिला के हिस्से मिले हैं, वे दोनों ट्रेनें लक्ष्मीबाई नगर से निकलती हैं। इसलिए माना जा सकता है कि दोपहर में हाथ और पैर उज्जैनी एक्सप्रेस में रखे गए होंगे। इसके बाद रात में नागदा से महू होते हुए इंदौर आने वाली पैसेंजर ट्रेन में शव के दो टुकड़े रखे होंगे। दोनों ट्रेनों में यहीं से शव के टुकड़ों को तीन अलग-अलग पार्सल में रखा गया होगा।

16 साल से फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार

सागर में मर्डर किया, इंदौर में कर रहा था पेंटर का काम

सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 16 सालों से फरार था। वह इंदौर समेत अन्य स्थानों पर फरारी काट रहा था। इंदौर में पेंटर का काम करता था। पुलिस पकड़कर आरोपी को थाने लाई। जहां पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल लिया है।

पुलिस के अनुसार 18 मई 2011 को फरियादिया प्रियंका पिता देवी सिंह राजपूत उम्र 20 साल निवासी ग्राम भापेल ने थाने में शिकायत करते हुए बताया था कि पुरानी बुराई पर से पड़ोसी श्रीराम, पप्पू, गोलू, जितेन्द्र और महेंद्र, मुकेश राजपूत ने लाठी, डंडा, तलवार, कतरना से जान से मारने की नियत से पिता देवीसिंह और बाबा धीरज सिंह के साथ मारपीट की थी। मारपीट में आई गंभीर चोटों से पिता देवीसिंह की मौत हो गई थी।

मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास, हत्या समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया था। इसी प्रकरण का आरोपी मुकेश राजपूत घटना दिनांक से ही फरार चल रहा था। साथ ही उक्त प्रकरण धारा 299 के तहत न्यायालय में विचाराधीन है। इसी के चलते आरोपी का स्थाई वारंट जारी हुआ था। आरोपी मुकेश की गिरफ्तार के लिए पुलिस टीमें लगाई गई। टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। लेकिन आरोपी नहीं मिला।

इंदौर से भागा तो पुलिस ने भोपाल तिगड्डा से पकड़ा

मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि फरार आरोपी मुकेश पिता महेन्द्र सिंह राजपूत उम्र 44 साल निवासी भापेल की जानकारी जुटाई गई। टीम गठित कर आरोपी की तलाश की गई। फरार आरोपी मुकेश राजपूत के खिलाफ थाना मोतीनगर में वर्ष 2008 से 4 स्थाई वारंट हैं। जिनमें आरोपी फरार चल रहा था। वह अपना स्थान बदल कर इंदौर, भोपाल, पीथमपुर में मजदूरी कर रहा था। पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था।

इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली की आरोपी मुकेश इंदौर में रहकर पेंटर का काम कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम इंदौर पहुंची। आरोपी की तलाश इंदौर में विजय नगर के आसपास की गई। बिल्डिगों में चौकीदारों और अन्य लोगों से पूछताछ की गई। जहां पता चला कि आरोपी इंदौर से सागर की ओर निकला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम इंदौर से आरोपी का पीछा करते हुए सागर के लिए रवाना हुई।

इसी दौरान भोपाल से सागर मार्ग पर इंदौर से आने वाली सभी बसों की चेकिंग की गई। तलाशी के दौरान भापेल तिगड्डा पर पुलिस टीम पहुंची। जहां एक व्यक्ति तिगड्?डा पर खड़ा दिखा जो पुलिस देखकर भागने लगा। पुलिस जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।

पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मुकेश पिता महेन्द्र राजपूत उम्र 44 साल निवासी ग्राम भापेल होना बताया। उसे तत्काल गिरफ्तार कर मोतीनगर थाने लाया गया। आरोपी पर दो हजार का इनाम भी घोषित था। पुलिस ने आरोपी मुकेश को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

जब आप माई टेप सुन रहे हों, तो उन बातों पर ध्यान दें, जो माँ ने कही हैं, और अपने लिए देखें। तो सहज योग में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, अन्यथा आपकी बुद्धि बाहर निकल जाएगी। आपको सहज योग की पूरी शिक्षा होनी चाहिए, केवल अहसास देना ही काम नहीं है। आपके पास होना चाहिए, इसलिए दूसरों को पता होना चाहिए कि आप जानकार हैं। जितनी शिक्षा आपके पास पहले थी, उतनी किसी संत के पास नहीं थी। इसलिए अब पूरा फायदा उठाएं। आपकी उम्र चाहे जो भी हो, शिक्षा योग्यता शायद, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन आप सभी को पता होना चाहिए कि सहज योग क्या है, इसका क्या मतलब है, यह कैसे काम करता है।

श्री माताजी निर्मला देवी, मेलबर्न, 17 मार्च 1985

सहजयोग में सबसे आवश्यक बात ये है कि इसमें अग्रसर होने के लिए आपको ध्यान करना पडेगा, ध्यान बहुत जरूरी है, आप और चाहे कुछ भी न करें लेकिन गर आप ध्यान में स्थित रहें तो सहजयोग में प्रगति हो सकती है।

आप जानते हैं कि मैं आप लोगों से ज्यादा मेहनत करती हूँ और मैं थकती नहीं हूँ क्योंकि मेरे आनंद का स्त्रोत आप लोग हैं, बस आपको देख लेती हूँ, खुश हो जाती हूँ, तबियत बाग बाग हो जाती है, जिस चीज का महत्व है उसकी ओर दृष्टि रखिये।*

जिस चैतन्य शक्ति से सारी सृष्टि चल रही है वो ही आपके अंदर से बह रही है, जिन हाथों और पांवों से ये शक्ति बह रही है उन्हें बहुत पवित्र रखना चाहिए

दोनों के सपोर्ट से चले शादीशुदा जिंदगी की गाड़ी

भाई शादीशुदा लोगों के जीवन में जब तक छोटी-मोटी खटपट न हो, तब तक प्यार और सुकून कहां। इन नोंकझोंक के पीछे कई बार जायज वजहें होती हैं, तो बार ऐसे ही पंगे हो जाते हैं। वैसे एक ऐसा टॉपिक है जिस पर अकसर पत्नियां बिफर जाती हैं और वो हैं पति के दोस्त। जब कभी ब्वॉयज नाइट आउट हो, ट्रिप हो या फिर घर पर लंच, डिनर का इन्विटेशन...बहुत कम चांसेज़ होते हैं जब इसे लेकर आपस में तकरार न हो। ऐसे में पति का पूरा वक्त पत्नी को मनाने में ही चला जाता है। ऐसे बिहेवियर से पति के दोस्तों की नजरों में आपसे ज्यादा आपके पति की इमेज खराब होती है, तो कुछ बातें हैं जिसे ध्यान रखें जब कभी पति के दोस्त घर आएं। आइए जानते हैं इस बारे में।

पति की ताने मारने से बचें

पति की ऐसी कई सारी आदतें हो सकती हैं, जो आपको पसंद नहीं होती, लेकिन इसका दोस्तों के सामने ढिंढोरा पिटना सही नहीं और उसे लेकर ताने तो बिल्कुल न मारें। आप तो कहकर निकल जाएंगी, लेकिन बाद में दोस्त इस पर हर वक्त उनकी चुटकियां लेते हैं जिससे वो इरीटेट होते रहेंगे और आपसे लड़ाई करते रहेंगे।

धमकी देने से बचें

पति जब दोस्तों के साथ हों, तो बार-बार उन्हें धमकियां न दें, ये भी एक तरह का बुरा बिहेवियर है, जो दोस्तों के सामने आप दोनों का मजाक बना सकता है। कोई इश्यू है, तो उन्हें अकेले बुलाकर बताएं। इससे वो सिचुएशन को समझदारी के साथ डील करने की कोशिश करेंगे।

पति को कंजूस न कहें

अगर आपका पति बेफिजूल खर्चे नहीं करता, तो जरूरी नहीं वो कंजूस हो। ऐसा भी हो सकता है कि वो जरूरत की चीजें खरीदने में बिलीव करता है, तो उनकी इस आदत को लेकर भी दूसरों के सामने मजाक न बनाएं। इससे उन्हें बुरा लग सकता है।

नाराजगी जाहिर न करें

अगर किसी बात को लेकर पहले से ही नाराज हैं, तो दोस्तों के घर आने पर ओवर रिएक्ट न करें। ऐसा कई बार होता है कि दबा हुआ गुस्सा किसी के सामने आने पर और ज्यादा जाहिर हो जाता है। कई बार तो कपल्स दूसरों के सामने ऐसा बर्ताव भी कर बैठते हैं कि बात में उन्हें पछतावा होता है। साथ ही दूसरों के सामने आपकी इज्जत भी कम होती है, तो इससे बचें।

बच्चों की परवरिश

आज के दौर में बच्चों की परवरिश का तरीका काफी बदल चुका है। बदलते परिवेश की वजह से बच्चों की परवरिश मौजूदा समय में काफी मुश्किल हो गई है। बढ़ती महंगाई और बदलती लाइफस्टाइल की वजह से आजकल माता-पिता दोनों की कामकाजी हो चुके हैं। ऐसे में इन दिनों काम के बढ़ते प्रेशर की वजह से लोग अक्सर अपने परिवार और बच्चों को टाइम नहीं दे पाते हैं। अक्सर वर्किंग पेरेंट होने की वजह से अभिभावक बच्चों पर सही तरीके से ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में बच्चे अपने पेरेंट्स से दूर होने लगते हैं और इसकी वजह से वह कई बार गलत रास्तों पर चले जाते हैं। अगर आप भी एक वर्किंग पेरेंट हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो एक वर्किंग पेरेंट को अपने बच्चों को सही परवरिश के लिए जरूर अपनानी चाहिए।

सुबह जल्दी उठें

माता-पिता और बच्चे सभी सुबह जल्दी उठें। सुबह जल्दी उठने से आप पाएंगे कि आपको एक दिन में अपने लिए काफी समय मिल जाता है। इस समय को आप अपने बच्चे के साथ शेयर करने के लिए चुनें। बच्चे को स्कूल जाने के टाइम से पहले उठाएं। इससे बच्चे की आदत और उनका स्वास्थ्य दोनों में ही सुधार आएगा। बच्चे के साथ बैठ कर योग करें, उन्हें सूर्योदय और आकाश दिखाएं, प्रकृति से जोड़ें। इससे बच्चे में प्रकृति से भी जुड़ने के संस्कार आते हैं और वह स्वस्थ भी होते हैं। साथ ही वह आपके साथ अधिक समय भी व्यतीत कर पाते हैं, क्योंकि इसके बाद आप ऑफिस और बच्चा

हफ्ते में एक पूरा दिन बच्चे को दें

हफ्ते या दस दिन में एक पूरा दिन बच्चे को समर्पित करें। उनके पसंद का खाना बनाएं, उन्हें मिलकर कहीं घुमाने ले कर जाएं, उनके साथ कोई अच्छी मूवी देखें या फिर बच्चे के पसंद का कोई भी काम जैसे पेंटिंग, डांसिंग, क्राफ्ट वर्क आदि साथ में बैठ कर करें। इससे बच्चा आत्मिक रूप से आपसे जुड़ेगा। अपनी पसंद-नापसंद और अपनी सभी बातें आपसे शेयर करेगा। इससे हफ्ते भर में अगर उसे किसी दिन नेगलेक्ट महसूस हुआ भी होगा तो उस दिन की भरपाई इस प्रकार से हो जाएगी।

दिनभर में आधा घंटा बच्चे की बातें ध्यान से सुनें

बच्चे सवालों का पिटारा होते हैं। उनके मन में लाखों सवाल प्रतिदिन आते हैं और दिन भर की सभी बातें शेयर करने के लिए भी उन्हें किसी की जरूरत होती है। अक्सर वर्किंग माता-पिता यह बोल कर बच्चे को चुप करा देते हैं कि "अभी नहीं बोलो बेटा, बाद में बताना, अभी मैं बिजी हूं"। जायज है कि आप वास्तव में व्यस्त हो सकते हैं, लेकिन ऐसे में एक रूटीन ऐसी बनाएं, जिसमें अपने बच्चे के सभी जिज्ञासु सवाल और उसकी दिनभर की बातें आप ध्यान से सुनें, अपना फोन या टीवी किनारे कर के। बच्चे की आंखों में आंखें डाल कर उचित प्रतिक्रिया देते हुए बात करें।

डार्क चॉकलेट से जुड़े हैं सेहत के कई फायदे

डार्क चॉकलेट खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है। इसके साथ ही, यह आपकी सेहत के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसमें ज्यादा एंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो आपकी स्किन को बेहतर बनाने में मददगार होते हैं। यह फ्री-रेडिकल डैमेज से बचाव करता है और साथ ही, कोलेस्ट्रॉल को कम कर दिल की सेहत का भी ख्याल रखता है। इसके अलावा, ब्लड प्रेशर और इंफ्लेमेशन कम करने में भी यह काफी मददगार हो सकता है।

ब्राउनी

एक पैन में पानी में डालें और उसके ऊपर कटोरे में डार्क चॉकलेट को काट रखें और पिघला लें। जब चॉकलेट पिघल जाए, तो उसे हटा कर, साइड में ठंडा होने के लिए रख लें। एक बड़े कटोरे में आटा, कोको, बेकिंग सोडा मिलाएं। इसके बाद पिघलाई हुई चॉकलेट में चीनी, कॉफी, वेनिला और छाछ मिलाएं। इसमें थोड़ा पानी मिलाएं और अंडे को तोड़कर इसमें मिलाएं। इसके बाद इसमें आटा और कोको का मिश्रण मिलाएं। अब इस मिश्रण को टिन में डालें और 30 मिनट के लिए बेक करें।

चॉकलेट फ्रिज केक

ड्राई फ्रूट्स को जूस में डालें और 2 मिनट तक माइक्रोवेव करें। इसके बाद चॉकलेट को एक बाउल में लें और उसमें मक्शन और गोल्डन सिरप डालकर माइक्रोवेव में गर्म कर लें। इसके बाद एक कटोरे में बिस्कुट तोड़ें और उसके साथ पिघली हुई चॉकलेट और जूस में भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स मिलाएं। इसके बाद, इसे बेकिंग ट्रे में डालें और अच्छे से फैलाकर, इसे रातभर फ्रिज में रखें। अगले दिन आप इसे चौकोर टुकड़ों में काट लें और आपका केक तैयार है।

चॉकलेट टी केक

एक कटोरे में क्रीम चीज और चीनी को अच्छे से मिला लें। इसके बाद, पंपकिन, पाई मसाला और वनिला को मिलाएं। इसके बाद इसमें क्रैकर्स तोड़कर मिलाएं। इसके बाद इसे फ्रिज में मिलाएं। इसके बाद इसे एक ट्रे में पंपकिन के मिश्रण को रखें और फ्रिज में ठंडा होने के लिए रखें। माइक्रोवेव में, चॉकलेट पिघलाएं; चिकना होने तक हिलाएँ। ट्रफ़ल्स को चॉकलेट में डुबोएं; अतिरिक्त को टपकने दें।

हमेशा कुछ नया सीखने का करें प्रयास

हुनर को संवारें

अगर आपके अंदर कोई खास हुनर है तो अपने प्रयास से उसे और अधिक निखारने की कोशिश करें। जया शौकिया तौर पर बेकिंग करती थीं और घर पर अकसर केक पेस्ट्री बनाती थीं, फिर उन्होंने इस कौशल को निखारने के लिए बेकिंग क्लासेज में जाना शुरू किया और कोर्स पूरा करने के बाद वह इस कला में पारंगत हो गईं। कोविड के समय जब उनके पति की नौकरी चली गई, तो कॉलेज के दिनों का यही पुराना शौक उनकी आजीविका सहारा बन गया। आज उनके स्टार्टअप से अच्छी आमदनी होती है।

निर्धारित करें छोटे लक्ष्य

अगर आप कुछ नया सीखना चाहती हैं तो इसकी शुरुआत छोटे-छोटे कार्यों से करें। पहली बार में कोई ऐसी योजना न बनाएं, जिसके लिए बहुत ज्यादा समय और पैसे खर्च करने की जरूरत हो। एक साथ बहुत कुछ सीखने की बजाय एक बार एक ही लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और उसे पूरा करने की कोशिश में जुट जाएं।

मिर्जापुर 3' का टीजर रिलीज

घायल शेर बनकर लौटे कालीन भैया मचाएंगे जंगल में भौकाल,5 जुलाई को रिलीज होगा तीसरा सीजन

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' के तीसरे सीजन का टीजर रिलीज हो चुका है। डेढ़ मिनट के इस टीजर में मिर्जापुर की तुलना जंगल से और उसमें रहने लोगों की तुलना जानवरों से की गई है।

पूरे टीजर में दो बातें खास हैं। पहली यह कि कालीन भैया वापस लौट रहे हैं और उन्हें घायल शेर की तरह पेश किया जा रहा है।

दूसरा यह कि इस सीजन में पिछले सीजन के दद्दा त्यागी, शंकुतला शुक्ला और लाला जैसे कई किरदार अपना-अपना बदला लेते नजर आएंगे।

गलियारे होंगे लहू-लुहान, इस बार मचेगा घमासान

टीजर में सत्यानंद त्रिपाठी का किरदार निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा का वॉइस ओवर सुनाई देता है।

वो कहते हैं, 'कड़केगी बिजली, गूंजेगा आसमान, गलियारे होंगे लहू-लुहान, इस बार मचेगा घमासान, गर्दा कटने वाला है.. परदा फिर से उठने वाला है.. क्योंकि बात होगी बपौती की, बकैती की और बवाल की.. क्योंकि बात होगी जंगल के भौकाल की।'

इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, श्वेता त्रिपाठी, ईशा तलवार, लिलिपुट, मेघना मलिक, मनु ऋषि और शीबा चड्ढा अपने-अपने किरदारों में नजर आए हैं।

5 जुलाई को रिलीज होगा सीजन-3

'मिर्जापुर' का पहला सीजन 2018 और दूसरा सीजन 2020 में रिलीज हुआ था। अब इसका तीसरा सीजन 5 जुलाई को रिलीज होगा।

दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी इस शो के पिछले सीजन का हिस्सा रह चुके हैं।

कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन उखाड़ फेंकेगी इन फिल्मों के रिकॉर्ड्स का बिल्ला, पठान-टाइगर की कांप उठेंगी टांगे

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून के दिन दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म पठानसे लेकर टाइगर 3 सहित कई फिल्मों के बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देगी।

...कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन उखाड़ फेंकेगी इन फिल्मों के रिकॉर्ड्स का बिल्ला

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून को रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर लोगों के बीच एक अलग ही हाइप बनी हुई है। 14 जून के दिन कार्तिक आर्यन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म चंदू चैंपियन के माध्यम से कोहराम मचाने के लिए तैयार हैं। उम्मीद की जा रही है कि चंदू चैंपियन बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान की पठान और सलमान खान की टाइगर 3 सहित कई फिल्मों को धूल चटा सकती है

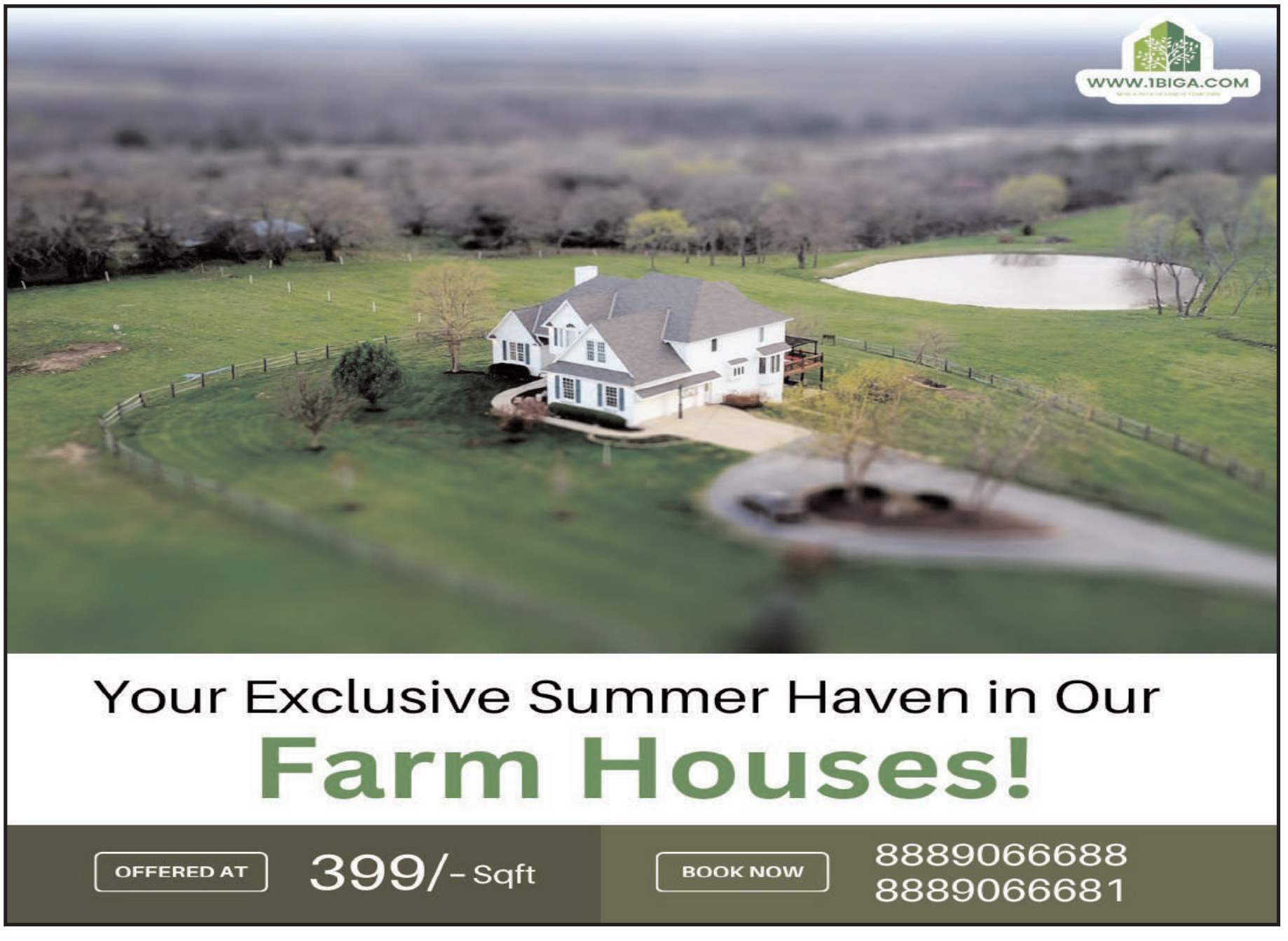

रोहित शर्मा यूएसए के खिलाफ एक तीर से साधेंगे 2 निशाना, टीम में वापस लौटेगा तुरुप का इक्का

यूएसए के खिलाफ कैप्टन रोहित शर्मा युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को फ्लॉप साबित हो रहे शिवम दुबे की जगह टीम में शामिल कर सकते हैं.टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज भारतीय नजरिए से बेहतरीन हुआ है, लेकिन टीम में कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन चिंता का सबब बन गया है. ब्लू टीम के गेंदबाजों ने टूर्नामेंट में तो अबतक बेहतरीन प्रदर्शन किया है. लेकिन बल्लेबाजी में कैप्टन रोहित शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को छोड़कर अन्य बल्लेबाज रन के लिए जूझते हुए ही नजर आ रहे हैं.

भारत की तरफ से टूर्नामेंट के दो मुकाबले बीत जाने के बाद सबसे कमजोर कड़ी अबतक शिवम दुबे साबित हुए हैं. दरअसल, अन्य खिलाड़ी बल्लेबाजी में फ्लॉप होने के बाद गेंदबाजी में कुछ न कुछ योगदान देने में कामयाब हो जा रहे हैं. लेकिन यहां उन्हें अबतक पेशेवर बल्लेबाज के रूप में ही टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों मौकों पर वह फ्लॉप साबित हुए हैं.

ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि कैप्टन रोहित शर्मा यूएसए के खिलाफ अगले मुकाबले में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में मौका दे सकते हैं. जायसवाल के आने से कोहली को भी अपने पसंदीदा तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी करने का मौका मिल जाएगा. वह भी अबतक पारी का आगाज करते हुए दोनों मुकाबलों में फ्लॉप ही साबित हुए हैं.

इसके अलावा जायसवाल के टीम में आने से सलामी जोड़ी में लेफ्ट-राईट की विविधता भी आ जाएगी. आईपीएल के दौरान जरुर जायसवाल का प्रदर्शन मिला जुला रहा था. लेकिन तकनिकी रूप से वह काफी स्ट्रांग हैं. यूएसए में जैसी पिचें देखी जा रही हैं. वैसी पिचों पर जायसवाल के सफल होने की उम्मीद जताई जा रही है.

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शिवम दुबे का प्रदर्शन

बता दें टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अबतक दोनों मुकाबलों में शिवम दुबे को टीम में जगह मिली है, लेकिन इन दोनों मुकाबलों में वह बुरी तरह से फ्लॉप हुए हैं. आयरलैंड के खिलाफ वह बल्लेबाजी के लिए पांचवें क्रम पर आए थे. इस बीच 2 गेंदों में बिना कोई रन बनाए नाबाद थे. वहीं पाकिस्तान के खिलाफ वह 6वें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरे. इस बीच 9 गेंद में महज 3 रन बनाकर आउट हुए.

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

विभिन्न श्रेणी के ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिए 24 हजार 420 करोड़ रुपए की सब्सिडी का निर्णय

स्वास्थ्य संस्थाओं में 46491 नये पदों के सृजन की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक आज मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने म.प्र. विद्युत नियामक आयोग द्वारा 06 मार्च 2024 को जारी टैरिफ आदेश से वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये लागू विद्युत दरों में राज्य शासन की सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं को ऊर्जा विभाग के बजट से सब्सिडी दी जाएगी। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विद्युत दरों का निर्धारण किया है, जो 1 अप्रैल, 2024 से प्रभावशील हो गई है। सब्सिडी दिए जाने पर वर्ष 2024-25 में 24,420 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आयेगा।

चिकित्सीय विशेषज्ञों के पदों की पूर्ति की मंजूरी

मंत्रि परिषद ने स्वास्थ्य संस्थाओं में 46491 नवीन पदों (नियमित/संविदा/आउटसोर्स) के सृजन की स्वीकृति दी जाकर इनमें से 18653 पदों की पूर्ति आगामी 3 वित्तीय वर्ष में करने तथा इन पदों पर राशि 343 करोड़ 29 लाख रूपये के वार्षिक आवर्ती व्यय की स्वीकृति दी। इन पदों में से शेष 27838 पदों की पूर्ति यथावत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से की जायेगी।

प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं में विशेषज्ञ सेवायें उपलब्ध कराये जाने तथा स्वास्थ्य सूचकांको में बेहतर प्रदर्शन के लिए चिकित्सीय विशेषज्ञों के 607 पदों की पूर्ति सीधी भर्ती से कराने की मंजूरी दी। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत 07 विशेषज्ञताओं यथा निश्चेतना विशेषज्ञ, मेडिकल विशेषज्ञ, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, अस्थि रोग विशेषज्ञ तथा सर्जरी विशेषज्ञ के रिक्त 1214 पदों में से 50 प्रतिशत अर्थात् 607 पदों की पूर्ति सीधी भर्ती से कराने की छूट एवं तद्नुसार रिक्त पदों की पूर्ति के लिये मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से विज्ञापन करने की अनुमति दी गई।

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग में प्रतिनियुक्ति अथवा संविदा नियुक्ति का निर्णय

मंत्रि-परिषद ने भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति अथवा विभाग के अधीन प्रशासित संविदा भर्ती नियम 2003 के अंतर्गत संविदा पर लिए जाने का निर्णय लिया गया। संविदा पर भरे जाने की स्थिति में वरिष्ठ परामर्शी (चिकित्सा महाविद्यालय के प्राध्यापक के समकक्ष), परामर्शी (चिकित्सा महाविद्यालय के सह प्राध्यापक के समकक्ष), कनिष्ठ परामर्शी/विशेषज्ञ (चिकित्सा महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक के समकक्ष) और चिकित्सा अधिकारी को समेकित पुनरीक्षित पारिश्रमिक (रूपये) पर नियुक्ति दी जाएगी।

तीन नये विवि की स्थापना एवं शहडोल विवि के लिए वित्तीय सहायता और पदो की मंजूरी

मंत्रि-परिषद ने सागर, खरगौन और गुना में नवीन विश्वविद्यालयों की स्थापना एवं शहडोल में पूर्व संचालित विश्वविद्यालय को सम्बद्धतादायी बनाए जाने पर पद-सृजन एवं वित्तीय- सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। रानी अवन्तीबाई लोधी विश्वविद्यालय, सागर, क्रांतिसूर्य टंटया भील विश्वविद्यालय, खरगौन तथा क्रांतिवीर तात्याटोपे विश्वविद्यालय, गुना में नये विश्वविद्यालय की प्रारम्भिक आवश्यकता के लिए 3 करोड़ रूपए की स्वीकृति एवं प्रथम वर्ष के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के पूरक बजट में राशि 10 करोड़ रूपए के प्रावधान की मंजूरी दी गई है। प्रत्येक नये विश्वविद्यालय के लिए प्रशासकीय 14 पद, शैक्षणिक 140 पद तथा गैर-शैक्षणिक 81 पद कुल 235 पदों (5 वर्षों में विस्तारित) की स्वीकृति प्रदान की गई है। शैक्षणिक पदों के विषय-निर्धारण के लिए उच्च शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया है। भवन निर्माण सहित पूंजीगत परियोजना के लिए प्रत्येक नये विश्वविद्यालय को 150 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही पंडित शम्भुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के लिए 45 करोड़ रूपये, इस प्रकार कुल राशि 495 करोड़ रूपये का भविष्य में पुनर्विलोकन की शर्त पर सिद्धान्ततः अनुमोदन दिया गया है।

इस वर्ष को गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाने का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने गौवंश की रक्षा करने के संकल्प के साथ इस वर्ष की चैत्र की गुड़ी पड़वा से अगले वर्ष तक गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाने का अनुमोदन दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में यह निर्णय लिया गया था, जिसका आज मंत्रि-परिषद ने अनुमोदन दिया।

मुख्यमंत्री की घोषणा के परिपालन में मध्यप्रदेश शासन द्वारा यह साल, गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जो प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा), चैत्र, शुक्ल पक्ष 9 अप्रैल 2024 से आगामी अमावस्या, चैत्र, कृष्ण पक्ष, 29 मार्च 2025 तक मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड के अंतर्गत मनाया जा रहा है। प्रदेश में संचालित गौ-शालाओं को श्रेष्ठ संचालन के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। सड़कों पर गाय दुर्घटना का शिकार होती है। ऐसी व्यवस्था होगी कि घायल गाय को इलाज के लिए आसानी से ले जाया जा सके। हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग व्हीकल को टोल व्यवस्था के अंतर्गत प्रबंध किया जाएगा। प्रदेश की सभी गौशालाओं में गौवंश से जुड़ी 26 प्रमुख तिथियों में वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। गौशालाओं को समाज से जोड़ने के लिये जिलों में विभिन्न सामाजिक, मांगलिक व धार्मिक कार्यक्रमों को भी गौशालाओं में कराने का आव्हान किया गया है। इसमें नई पीढ़ी को गौवंश के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये भी कार्यक्रम होंगे।

मालवा निमाड़ में साढ़े छह लाख स्मार्ट मीटर लगे, इंदौर सबसे आगे

कंपनी ने तक मालवा और निमाड़ क्षेत्र में साढ़े छः लाख स्मार्ट मीटरों लगा दिए हैं। सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर इंदौर जिले में 2.80 लाख लगे है। 2025 तक दोनों संभाग के सभी नगरीय क्षेत्र 100 प्रतिशत स्मार्ट मीटरी कृत करने का लक्ष्य बिजली कंपनी ने तय कर लिया है।

इंदौर। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर लगाने की गति तेज कर दी है। दरअसल केंद्र की योजनाओं में भागीदारी और अनुदान के लिए स्मार्ट मीटर जरुरी शर्त बना है। प्रदेश में सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पहले स्थान पर है।

कंपनी ने तक मालवा और निमाड़ क्षेत्र में साढ़े छ: लाख स्मार्ट मीटरों लगा दिए हैं। सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर इंदौर जिले में 2.80 लाख लगे है। 2025 तक दोनों संभाग के सभी नगरीय क्षेत्र 100 प्रतिशत स्मार्ट मीटरी कृत करने का लक्ष्य बिजली कंपनी ने तय कर

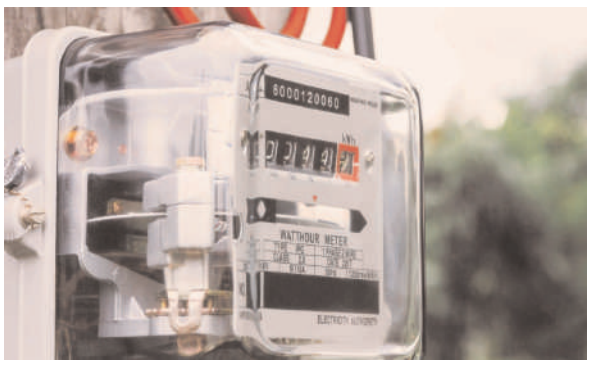

लिया है।

निमाड़ क्षेत्र में करीब 84 हजार और मालवा क्षेत्र में 5 लाख 65 हजार मीटरों की स्थापना की जा चुकी है। इसके साथ उज्जैन शहर में 80 हजार, रतलाम शहर में 72 हजार, देवास शहर में करीब 46 हजार अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर लगे हैं।

नीमच, मंदसौर, खरगोन, शाजापुर, खंडवा, धार, नीमच, झाबुआ बड़वानी जिले के नगरीय क्षेत्रों में भी स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू किया जा चुका है। कंपनी के दो शहर महू और खरगोन पूर्णत: स्मार्ट मीटरी कृत हो चुके हैं। महू सबसे पहला कस्बा था जहां स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत की गई थी।

बिजली कंपनी दावा कर रही है कि स्मार्ट मीटर गैर घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को पावर फैक्टर की छूट बहुत ही सटीक तरीके से प्रतिमाह दिला रहे हैं। उपभोक्ताओं के मोबाइल पर पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ऊर्जस एप पर संबंधित बिजली उपभोक्ता के स्मार्ट मीटर संबंधित सभी जानकारी लाइव देखी जा सकती है।

तोमर ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य है कि वर्ष 2025 तक नगरीय क्षेत्र के सभी स्थानों पर स्मार्ट मीटर लगे, इसी दिशा में वर्तमान में इंदौर सहित 13 जिलों में स्मार्ट मीटरी करण प्राथमिकता के साथ जारी है।

इंदौर में भारत की जीत का जश्न

पाकिस्तान से जीतते ही लहराया तिरंगा; देर रात तक आतिशबाजी; युवा बाइक पर जुलूस निकाल पहुंचे राजबाड़ा

इंदौर के राजवाड़ा में रविवार देर रात दिवाली जैसा जश्न मना। टीङ्क20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को करारी मात दी। जैसे ही भारत की जीत करीब आई, वैसे ही इंदौर के हर कोने से युवा हाथों में तिरंगा लेकर राजवाड़ा की ओर जाते नजर आए। यहां युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की और हाथ में तिरंगा लेकर ढोलक पर डांस भी किया। राजवाड़ा क्षेत्र भारत माता की जय से गूंज उठा।

पाकिस्तान की हार और भारत की जीत होने पर राजवाड़ा पर जीत का जश्न मनाने का इंदौरी अंदाज आज भी कायम है। चाहे फिर वह कोई भी स्थिति हो। शनिवार को विश्व कप में पाकिस्तान पर भारत की जीत होने पर शहर में चारों ओर तिरंगे लहराते नजर आए तो राजवाड़ा पर हजारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी पहुंचे।

हाथों में तिरंगा और जुबान पर भारत माता की जय के नारों के साथ पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। राजवाड़ा पर जमकर आतिशबाजी की गई। ढोल-नगाड़ों पर प्रशंसक जमकर झूमते हुए नजर आए। राजवाड़ा का दृश्य ऐसा था मानो शहर दीपावली मना रहा हो। प्रशंसकों में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल रहे।

निगम फर्जी बिल घोटाला; एक और ठेकेदार गिरफ्तार1 करोड़ के बिल लगाकर निगम को पहुंचाई चपत; आरोपी कोर्ट में पेश

नगर निगम के डेढ़ सौ करोड़ रु. के फर्जी बिल घोटाले में एमजी रोड पुलिस ने एक और आरोपी ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। उसने 1.8 करोड़ रु. के बिल पास कराकर निगम को चपत लगाई थी। आरोपी को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया।

आरोपी का नाम जाहिद पिता मोहम्मद खान (41) निवासी दयानंद नगर, माणिकबाग रोड है। उसकी डायमंड एसोसिएट नाम से फर्म है। उसने निगम इंजीनियर अभय राठौर के साथ मिलकर फर्जी बिल पेश किए थे जबकि मैदानी तौर पर काम हुए ही नहीं थे। इस मामले में ड्रेनेज घोटाले में ठेकेदार एजाज उर्फ एहतेशाम भी लिप्त है जो फरार है। आरोपी जाहिद उसका साल है। जाहिद निगम से भ्रष्टाचार में बर्खास्त हुए बेलदार असलम खान का भी रिश्तेदार है।

उधर, इसी मामले में गिरफ्तार अनिल कुमार गर्ग (संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, स्थानीय निधि संपरीक्षा, इंदौर), डिप्टी डायरेक्टर (ऑडिट) समरसिंह परमार और असिस्टेंट ऑडिटर रामेश्वरसिंह परमार रिमांड पर हैं। इनसे घोटालों की वे फाइलें जो इनकी सहमति से फॉरवर्ड हुई थी, के बारे में पूछताछ की जा रही है।

इंदौर में अवैध कॉलोनाईजेशन को रोकने नये दिशा-निर्देश जारी

्अवैध कॉलोनी बसाने वालों के साथ अब अवैध कॉलोनी में प्लाट बेचने वालों पर भी कार्रवाई

इंदौर में अवैध कॉलोनाईजेशन पर सख्ती से रोक लगाई जायेगी। अवैध कॉलोनी बसाने वालों के साथ ही अवैध कॉलोनी में प्लाट बेचने वालों के विरूद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जायेगी। अवैध कॉलोनाईजेशन पर रोक लगाई जाने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले के सभी एसडीएम और अन्य राजस्व अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने इन निर्देशों को कडाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। अवैध कॉलोनी बसाने वालों के साथ ही नागरिकों को अवैध प्लाट बेचने वाले ब्रोकरर्स सहित अन्य लोगों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाये। यह ध्यान रखें कि अवैध कॉलोनी में नागरिकों के बसने के पूर्व ही उक्त कार्रवाई की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि कृषि भूमि को छोटे-छोटे प्लाटों के रूप में विक्रय नहीं होने दे। कृषि भूमि के छोटे-छोटे प्लाटों के रूप में विक्रय/नामांतरण पर तत्काल रोक लगाई जाये। प्रायः यह देखा जाता है कि कृषि भू-स्वामियों द्वारा कृषि भूमि को छोटे-छोटे प्लाटों के रूप में विभाजित कर विक्रय कर दिया जाता है। इससे यह प्लाट एक अवैध कॉलोनी के रूप में हो जाते हैं। इससे प्लाट धारकों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाती है और बड़ी समस्या सामने आती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)